Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 16-05-2006

Participants : Solanki Shri Bhupendrasinh

an>

Title : Need to revive ‘The Panch Mahal District Cooperative Bank’ in Godhira, Gujarat for the benefit of the farmers.

श्री भूपेन्द्र सिंह सोलंकी (गोधरा) : महोदय, यह कैसी विडंबना है कि जहां एक ओर सरकार देश के किसानों के हितों की रक्षा करने की घोाणा कर रही है, वहीं दूसरी ओर देश के विभिन्न भागों में रहने वाले किसान आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहे हैं। देश में सहकारी समितियों द्वारा चलाये जा रहे बैंक बंद पड़े हैं और उनको पुनः चलाने का प्रयास सरकार द्वारा बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। ऐसा ही एक बैंक मेरे संसदीय क्षेत्र गोधरा में दि पंचमहल डिस्ट्रिक्ट कोंआपरेटिव बैंक है, जो पिछले तीन सालों से बंद पड़ा है। यह बैंक पिछले 40 सालों से काम कर रहा था। इसमें लगभग 2000 प्राइमरी सोसाइटी किसानों और गरीब लोगों के जीवन से जुड़ी हुई थी। बैंक की कुल 40 शाखायें थीं और इसमें लगभग 500 लोग कार्यरत थे। इस बैंक का वार्िक टर्नओवर लगभग 300 करोड़ था। मेरे संसदीय क्षेत्र के गरीब किसान अपनी फसलों के लिए यहां से सस्ती दर पर ऋण लेकर अपना कार्य करते थे। आज वे अन्य बैंकों से ऊंची ब्याज दर पर ऋण लेने के लिए मजबूर हैं और ऋण न चुका पाने की स्थिति में आत्महत्या करने के लिए भी विवश हो रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्रीय वित्त मंत्री और सहकारिता मंत्री से विशो रूप से आग्रह है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में स्थित दि पंचमहल डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक अविलंब चालू कराने की कृपा करें ताकि मेरे क्षेत्र के गरीब किसान आत्महत्या के लिए विवश न हो और सस्ते ब्याज दर पर ऋण प्राप्त कर सकें।